
Shri Mrityunjaya Stotram

श्रीमृत्युञ्जयस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Mrityunjaya Stotram

File name : mRRityunjayastotram5.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : April 25, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 31, 2020

sanskritdocuments.org

Shri Mrityunjaya Stotram

श्रीमृत्युञ्जयस्तोत्रम्




शम्भो मडादेव शम्भो मडादेव शम्भो मडादेव गङ्गाधर ।
मृत्युञ्जय पाळि मृत्युञ्जय पाळि मृत्युञ्जय पाळि मृत्युञ्जय ॥ १ ॥
अद्रीशजाधीश विद्राविताघौघ भद्राकृते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
आकाशकेशामराधीशवन्द्य त्रिलोकेश्वर पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शंभूपलेन्दुप्रभोत्सुल्लकुन्दारविन्दाकृते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शशार्चिताङ्घ्रे मलेशापिलावास काशीपते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
उक्षेशसञ्चार यक्षेशसन्मित्र दक्षार्चित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
उडापथातीतमाडात्म्यसंयुक्त मोडान्तक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ऋद्धिप्रदाशेष बुद्धिप्रतारङ्ग सिद्धेश्वर पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ऋपर्वतोत्तुङ्गशङ्खाग्रसङ्गाङ्गलेतो सदा पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
लब्धात्मभक्तौघसङ्घाति सङ्घातकारिप्रडन् पाळि पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
लूतीकृतानेकपारादिङ्कृत्यन्तनीयाधुना पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अेकादशाकाररकेन्दुसङ्काश शोडान्तक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अैश्वर्यधामार्क वैश्वानराभास विश्वाधिक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अोषधधीशांशुभूषादिपापौघमोक्षप्रद पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अौद्धत्यलीनप्रबुद्धप्रभाव प्रबुद्धापिल पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अम्भासमाश्लिष्ट लम्बोदरापत्य बिम्बाधर पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अस्तोककारुण्य दुस्तारसंसारनिस्तारण पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
कर्पूरगौरोत्र सर्पाढ्य कन्दर्पदर्पापल पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
अधोतनेत्राग्निविद्युद्गडाक्षादि विद्योदित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥


गन्धेभयर्माङ्गसक्त्याङ्ग संसारसिन्धुप्लव पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 धर्मशुसङ्काश धर्मैकसंप्राप्य शर्मप्रद पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 दोत्यत्तिबीजाभिलोत्यत्तिबीजमराधीश मां पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 यन्द्रार्धयूड मरुन्नेत्र काञ्चीनगेन्द्रालय पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 छन्दश्शिरोरत्न सन्दोडसंवेद्य मन्दस्मित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 जन्मक्षयातीत चिन्मात्रमूर्ते भवोन्मूलन पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 अण्णव्यारुधएटामण्णिरातकाञ्चीगुणश्रेणिक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 अण्णित्यष्टचिन्तान्तरङ्ग प्रमोदाटनानन्दलृत्पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 टङ्गातिटङ्ग मरुन्नेत्र भृङ्गाङ्गनासङ्गत पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 ढाली मडापां डेली तिरस्कारकारानल पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 डोलायमानान्तरङ्गीकृतानेकलास्येश मां पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 ढक्काध्वनिध्वानदाडध्वनिभ्रान्तशतृत्व मां पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 एाकारनेत्रान्त सन्तोषितात्मश्रितानन्द मां पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 तापत्रयात्युग्रदावानलसाक्षिःप्राप्यय पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 स्थाणो मुरारातिबाणोल्लसत्यञ्जबाणान्तक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 दीनानवाधेन्तडीनागमान्तैक मानोदित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 धात्रीधराधीशपुत्रीपरिष्वङ्गयित्राकृते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 नन्दीशवाडारविन्दासनाराध्य विन्दाकृते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 पापान्धकारप्रदीपाद्भयानन्दरूप प्रभो पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 झालाम्भकानन्त नीलोज्ज्वलनेत्र शूलायुध पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 बालार्कभिम्बांशुभास्वज्जटाजूटिकालङ्कृत पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 भोगीश्वराकल्प योगिप्रियाभीष्टभोगप्रद पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 मौलीधुनधूर्मिमालाजटाजूटिकाप्रिय पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
 यज्ञेश्वराण्णउत्तद्दृष्टानिधे दक्षयज्ञान्तक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

रकेन्दुकोटिप्रतीकाशलोकादि सृङ्गन्धित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
लङ्केशवन्धाऽद्रिपङ्कुरुडाशेष शङ्कासल पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
वागीशतूणीरवन्दारुमन्दार शौरिप्रिय पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शर्वाभिलाधार सर्वेश गीर्वाणार्गर्वापल पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
षड्ङ्गत्रतात त्रिषाऽगुण्यलोकादि सृङ्गन्धित पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
सोमावतंसान्तरङ्गे स्वयान्धाम सामप्रिय पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
डेलानिगीर्णोत्र डालालसाख्य डालान्तक पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
क्षोणीधराधीश बालासनावामशोणार्कते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
क्षित्यम्भुतेजोमरुद्व्योमसोमात्मसत्याकृते पाळि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शम्भोमडादेव शम्भोमडादेव शम्भोमडादेव गङ्गाधर ॥ मृत्युञ्जय ॥
मृत्युञ्जय पाळि, मृत्युञ्जय पाळि ।
मृत्युञ्जय पाळि, मृत्युञ्जय पाळि ।
मृत्युञ्जयो मुक्तिदाता अथ्यवोचदिति श्रुतौ ॥ मृत्युञ्जय ॥
भवरोग निमग्नानां लिषज्मणिरितीरितः ॥ मृत्युञ्जय ॥
इति मृत्युञ्जयस्तोत्रं समाप्तम् ।

Proofread by PSA Easwaran

——
Shri Mrityunjaya Stotram

pdf was typeset on May 31, 2020

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

